गुरु पूर्णिमा पर श्री श्री रविशंकरजी की संस्था 'आर्ट ऑफ लिविंग' के गुरु पूजन एवं सत्संग कार्यक्रम में माननीय लोकसभा अध्यक्ष का सम्बोधन

---

1. सर्वप्रथम, आप सभी को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बहुत बहुत शुभकामनाएं। भारत भूमि पर अवतार लेने वाले सभी दिव्य आत्माओं, समस्त गुरुजनों को इस शुभ दिवस पर नमन करता हूँ। मानवता और अध्यात्म के संदेश का दुनिया भर में प्रचार-प्रसार करने वाले पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी को नमन करता हूँ। आज इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों को नमस्कार करता हूँ। इस कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे बहुत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

2. हमारी सनातन संस्कृति में गुरु पूर्णिमा की महत्ता प्राचीन काल से ही रही है। यह महर्षि वेदव्यास जी का जन्मदिन तो है ही, इसी दिन आदिकाल में भगवान महेश ने वेदों का ज्ञान मानव को दिया था।

3. मित्रो, भारत में महान गुरुओं की प्राचीन परंपरा रही है। हमारी परंपरा में महान गुरुओं के प्रति सदैव सम्मान और विश्वास का भाव रहा है। हमारे गुरूओं ने हमेशा समाज को सही मार्गदर्शन दिया है तथा मानव कल्याण का मार्ग दिखाया है।

4. भारत में प्राचीन काल से ही गुरु भक्ति की मर्यादा रही है। गुरु अपना सम्पूर्ण ज्ञान शिष्य को सौंप देते हैं और शिष्य को भूत, वर्तमान व भविष्य से परिचय करवाते हैं। भारत में सदा ही सद्गुरु की महिमा गाई जाती रही है। गीता में कहा गया है कि जीवन को सुंदर बनाना, निष्काम और निर्दोष करना ही सबसे बड़ी विद्या है। इस विद्या को सिखाने वाला ही सद्गुरु कहलाता है।

5. साथियो, जीवन में माता-पिता और गुरु वे व्यक्ति हैं जो हमारे चरित्र निर्माण को सही दिशा देते हैं। माता-पिता के साथ तो हमारा संबंध जन्म से ही होता है लेकिन गुरु के साथ मन का रिश्ता होता है। गुरु और शिष्य का भरोसे, भावना और भाव का संबंध होता है।

6. हमारे यहाँ गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊँचा माना गया है। गुरु ही हमें ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग बताते हैं। जीवन से अंधकार को दूर कर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है।

7. हमारे देश की गुरु-शिष्य परंपरा अत्यन्त सम्पन्न रही है क्योंकि इसमें त्याग, समर्पण, विश्वास और निष्ठा का समावेश रहा है।भारत की इसी महान गुरु परंपरा को आगे ले जाने, इसे और अधिक समृद्ध बनाने का काम श्री श्री रविशंकर जी ने किया है। गुरुदेव ने मानवता और अध्यात्म के क्षेत्र में महान योगदान दिया है।

8. गुरुदेव के प्रयासों ने मानव को व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सशक्त और समर्थ बनाया है।

9. आपका 'आर्ट ऑफ लिविंग' आंदोलन आज दुनिया के 150 से अधिक देशों में मानवता के लिए काम कर रहा है।

10. परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी ने भारत की संस्कृति और आध्यात्मिक ज्ञान को विश्व के कई देशों में पहुंचाने का काम किया है। हमारी प्राचीनतम योग पद्धति और समृद्ध संस्कृति को गुरूदेव ने जनता तक आसान बनाकर प्रस्तुत किया है ताकि मानव के मन, शरीर और आत्मा में शांति रहे।

11. राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं के साथ ही गुरुदेव ने समाज में व्याप्त समस्याओं को दूर करने के लिए भी काम किया है। युवाओं के लिए युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम, शिक्षा, युवा कौशल कार्यक्रम, सामूहिक हिंसा, नशा और शराब की लत से युवाओं को दूर करने का काम गुरुदेव और उनकी संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है।

12. आपकी संस्था द्वारा 700 से ज़्यादा स्कूलों की शुरुआत की गई है। जिनमें 70 हजार से भी अधिक बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय योग विधा और अध्यात्म के प्रसार के लिए आपने विश्वभर में काम किया है।

13. आपके आत्म-विकास के कार्यक्रमों ने दुनिया भर के लाखों लोगों को तनाव से राहत देकर उन्हें शांत और स्वस्थ जीवन जीने में मदद की है। आपके ये कार्यक्रम योग की प्राचीन तकनीकों के माध्यम से आज की आधुनिक आवश्यकताओं और समस्याओं पर केंद्रित हैं। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के प्रयासों ने भारत के प्राचीन योग के ज्ञान को समस्त मानवता तक पहुंचाने का काम किया है।

14. श्री श्री रविशंकर जी आज भारत की इसी महान रीति-नीति की विश्व में अगुवाई कर रहे हैं। धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक बंटवारे से टूटे हुए विश्व में आपने प्रेम, करुणा, शांति और अहिंसा का संदेश दिया है।

15. साथियो, आज हम देखते हैं कि जलवायु परिवर्तन का संकट साल दर साल बढ़ रहा है। पेड़ कम हो रहे हैं, ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है, पर्यावरण एवं प्रकृति पर कई आपदाएं आ रही हैं। आज आवश्यकता है कि दुनिया

का प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक भारतवासी प्रकृति के महत्व को गंभीरता से समझे और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प ले।

16. मित्रो, इस वर्ष भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। आज़ादी के बाद से इन 75 वर्षों में भारत ने क्या क्या हासिल किया, हम उसका उत्सव तो मना ही रहे हैं, लेकिन इसी के साथ हम आने वाले वर्षों में क्या अभूतपूर्व प्राप्त करेंगे, हमें उसके लिए भी अभी से संकल्प लेना है।

17. पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी उपाय, महिला सशक्तिकरण, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और वंचित जनों तक सभी सुविधाएं पहुँचाने के लिए भारत को और अधिक प्रयास करने होंगे।

अगले 25 वर्ष में हमारा देश दुनिया के शीर्ष पर होगा, अगर प्रत्येक देशवासी इसके लिए संकल्प धारण करें। हर एक देशवासी अपनी निजी उन्नति के साथ, राष्ट्र उत्थान में बराबर का भागीदार बने, आज ये चेतना आवश्यक है।

18. मैं समझता हूँ कि श्री श्री रविशंकर जी और आर्ट ऑफ लिविंग इस दिशा में बड़ा प्रभावी कार्य कर सकते हैं। आपकी भूमिका इस समय बहुत महत्वपूर्ण है। और हमें आपसे अपेक्षाएं भी बहुत हैं।

19. मैं आशा करता हूँ कि मानवता और राष्ट्र के हित में आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के कार्यों में और अधिक विस्तार होगा। आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूज्य श्री श्री रविशंकर जी का आशीर्वाद सभी अनुयायियों को प्राप्त होगा। गुरुदेव की ऊर्जा और व्यक्तित्व से सभी देशवासियों को निरंतर सकारात्मक दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

20. गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी को नमस्कार, आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के सभी सदस्यों को अनेक शुभकामनाएं, साधुवाद। धन्यवाद, जयहिन्द।